

श्री अन्नपूर्णा माता आरती  
ओम जय अन्नपूर्णा माता, जय अन्नपूर्णा माता ।  
ब्रह्मा सनातन देवी, शुभ फल की दाता ॥  
अरकिल पद्म वनिशानिजिन सेवक त्राता ।  
जगजीवन जगदम्बा हरहरि गुणगाता ॥  
सहि को वाहन साजे कुण्डल हैं साथ ।  
देव वृन्द जस गावत नृत्य करत ताथा ॥  
सतयुग रूपशील अति सुन्दर नाम सती कहलाता ।  
हेमाचल घर जनमी सखयिन सँगराता ॥  
शुभनशुभ बदिरे हेमाचल स्थाता ।  
सहस्रत्र भुजा तनु धरकै चक्र लयिो हाथा ॥  
सृष्टरूप तू ही है जननी शवि संग रंगराता ।  
नदी भृंगी बीन लही हे मदमाता ॥  
देवन अरज करत तव चति को लाता ।  
गावत दे दे ताली मन मे रंगराता ॥  
श्री प्रताप आरती मैया की जो कोई गाता ।  
सदा सुखी नति रहता सुख संपत्तिपाता ॥  
ओम जय अन्नपूर्णा माता, जय अन्नपूर्णा माता ।  
ब्रह्मा सनातन देवी, शुभ फल की दाता ॥